23-12-2018

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 24 दिसंबर 2018 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के 114 वें स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 गृहमंत्री भारत सरकार, श्री राजनाथ सिंह जी, विशिष्ट अतिथि डॉ0 महेन्द्र पाण्डेय एवं विशिष्ट अतिथि भारतीय आर्युविज्ञान परिषद, नई दिल्ली की पूर्व अध्यक्ष डॉ0 जयश्री बेन मेहता, अमेरिका के डा0 सुरेन्द्र वर्मा, डॉ0 कमलेश वर्मा, मा0 विधायक सुरेश श्रीवास्तव, पैरामेडिकल साइंसेस के विभागाध्यक्ष डॉ0 विनोद जैन, रिह्मेटोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 सिद्धार्थ दास, चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी के स्वागत सम्बोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर मा0 कुलपति जी द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। मा0 कुलपति जी ने अपने सम्बोधन में केन्द्र सरकार की महात्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत योजना को आमजन के लिए एक उपहार तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा कि के0जी0एम0सी0 की स्थापना हुए 100 वर्षो से अधिक समय हो गया है। इन सौ वर्षो में के0जी0एम0यू0 ने अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान बना ली है। 20 हजार से अधिक स्नातक एवं परास्नातक चिकित्सक यहां से शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत विश्व के हर कोने में देश का नाम रोशन कर रहे है। यह देश का सबसे बड़ा चिकित्सा संस्थान है। इस संस्थान में 450 चिकित्सा शिक्षक, 5500 चिकित्सा छात्र–छात्राएं, 5500 कर्मचारी एवं 4000 बेड का अस्पताल, 200 वेंटिलेटर से सुसज्जित होने के साथ ही यह देश का ही नहीं बल्कि एशिया का सबसे बड़ा चिकित्सालय होने का गौरव प्राप्त करता है। इस चिकित्सा संस्थान में प्रतिदिन 8 से 10 हजार मरीज प्रदेश भर से उपचार के लिए आते हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष 15 से 16 लाख नए मरीज इस चिकित्सा संस्थान में उपचार के लिए आते है, जिसमें से लगभग एक लाख मरीज भर्ती किए जाते हैं और 60 से 70 हजार मरीजों की प्रतिवर्ष सर्जरी होती है। यह देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा एवं इमरजेंसी सेवाओं का अस्पताल इस संस्थान के पास उपलब्ध है। यह संस्थान विश्वभर में चिकित्सा शिक्षा के लिए खास है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने के0जी0एम0यू0 को 2018 का पांचवा सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान का दर्जा दिया है। इसके साथ ही NAAC द्वारा 2017 से 2022 के लिए **'ए'** ग्रेड प्रदान किया गया है। इस अवसर पर मा0 कुलपति जी ने इस वर्ष चिकित्सा संस्थान द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के बारे में बताया कि स्पोर्ट्स मेडिसिन, बर्न केयर यूनिट और स्पाइनल केयर का डिपार्टमेंट स्थापित किया जा चुका है। पीडियेट्रिक आर्थोपेडिक्स विभाग में डी0एम0 का कोर्स प्रारम्भ होने जा रहा है, जिसे एम0सी0आई0 से मान्यता मिल चुकी है। इसके साथ ही संस्थान में मिल बैंक की स्थापना की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस संस्थान में चिकित्सकों द्वारा प्रतिवर्ष 700 शोधपत्र प्रकाशित किए जाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जिस भी चिकित्सा संस्थान में प्रति फैकेल्टी एक से ज्यादा पब्लिकेशन किया जाता है उसे उच्चतम कोटि के संस्थान की श्रेणी में रखा जाता है। के0जी0एम0यू0 लगातार पिछले पांच वर्षो से प्रति फैकेल्टी एक से ज्यादा पब्लिकेशन प्रकाशित कर रहे हैं। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में बर्न यूनिट एवं स्किल सेंटर भी स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश सरकार से श्रम शक्ति मिलते ही इसका संचालन आरम्भ हो जाएगा। इसके साथ ही मा0 कुलपति जी ने बताया कि मरीजो के तीमारदारो के लिए रैन बसेरा का उद्घाटन दिनांक 25 दिसंबर 2018 को मा0 पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर मा0 गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जी के कर कमलों द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर मा0 कुलपति जी ने मा0 गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जी के समक्ष के0जी0एम0यू0 को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस का दर्जा दिए जाने हेतु एक अनुरोध प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा0 गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अपने व्याख्यान में के0जी0एम0यू0 के उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवा के लिए देश–विदेश में मिली पहचान और ख्याति की प्रशंसा करते हुए कहा कि विदेशों मे एम्स के साथ अगर किसी चिकित्सा संस्थान का नाम लिया जाता है तो वह के0जी0एम0यू0 का नाम है। ऐसी ख्याति प्राप्त करने से बड़ी उपलिब्ध और कोई दूसरी हो ही नहीं सकती। उन्होंने चिकित्सकों को धरती का भगवान बताते हुए कहा कि जब ईश्वर को किसी व्यक्ति को चिकित्सक बनाना होता है तो वह उस मनुष्य को बड़े मन के साथ जन्म देता है क्योंकि बिना बड़े मन के किसी की सेवा नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि चिकित्सक के प्रति उनके मन में जो सम्मान का भाव आता है वह किसी दूसरे को देखकर नहीं आ पाता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा एक साधना है। जितने शांत स्वभाव से मरीजों का इलाज करना एक साधना ही है और ऐसा व्यक्ति ही सच्चे अर्थ में अध्यात्मिक है। उन्होंने कहा कि मंदिर–मस्जिद में पूजा या इबादत करने वाले ही अध्यात्मिक तथा बड़े मन के नहीं होते बल्कि बड़े मन का व्यक्ति ही सही अर्थ में अध्यात्मिक होता है।

मा0 गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने बताया कि हेल्थ सेक्टर में भारत की जी0डी0पी0 का मात्र 1.16 प्रतिशत ही खर्च हो रहा है लेकिन हमारी सरकार का प्रयास है कि इसके कम से कम 2.5 प्रतिशत पर ले जाना है। उन्होंने बताया कि भारत विश्व में हेल्थ सेक्टर में खर्च करने वाले देशों में सबसे निचले पायदान पर है। इसके साथ ही उन्होंने के0जी0एम0यू0 को ऐम्स का दर्जा दिए जाने की मांग पर कहा कि इसके लिए कुछ तकनीकि दिक्कते आ रही हैं जो जल्द ही ठीक कर ली जाएंगी।

उपरोक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि माननीय राज्यमंत्री चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्री महेन्द्र सिंह ने इस अवसर पर मेडल प्राप्त करने वाले मेधावियों को बधाई देते हुए बड़े ही रोचक तरीके से के0जी0एम0यू0 के 114वें स्थापना दिवस के समय को महीनों, हफ्तों, घंटों, मिनटों और सेकेंड्स में बताते हुए कहा कि इन सेकेंड्स को हर धड़कन से जोड़ दिया जाए तो और हर घड़कन को देखा जाए तो इसकी हर सांस, हर अदा, हर व्यवहार पूरी दुनिया में भारत और के0जी0एम0यू0 का नाम रोशन करने का कार्य यहां के चिकित्सक करने में लगे हुए हैं।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भारतीय आर्युविज्ञान परिषद, नई दिल्ली की पूर्व अध्यक्ष मा0 डॉ0 जयश्री बेन मेहता ने कहा कि के0जी0एम0यू0 में पढ़े हुए छात्र विश्व के हर कोने में फैले हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज मेडल पाने वाले छात्र–छात्राओं को इसके साथ ही यह जिम्मेदारी भी देते है आप इस क्षेत्र में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करे।

इस अवसर पर रिह्मेटोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 सिद्धार्थ दास ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र–छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए जीवन और चिकित्सा सेवा से जुड़ी जिम्मेदारी एवं अनुभव के बारे में भी जानकारी दी।

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर में मुख्य अतिथि मा0 गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा प्रो0 दीवाकर दलेला, प्रो0 सूर्यकांत, प्रो0 अजय सिंह, प्रो0 बानी गुप्ता एवं प्रो0 सिद्धार्थ अग्रवाल द्वारा अलग–अलग लिखित किताबों का विमोचन किया गया। इसके साथ ही समारोह के दौरान मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग, पैरामेडिकल स्टूडेंट्स को मेडल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पैरामेडिकल सटूडेंट्स द्वारा नृत्य कौशल का भी प्रदर्शन किया गया, जिसे अतिथियों द्वारा काफी सराहना मिली।